पश्चिमी निमाड़ की लोक कला माध्यमों का अस्तित्व एवं भविष्य
(बड़वानी जिले की अनुसूचित जनजाति के विशेष संदर्भ में)

जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग,
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय,लखनऊ
पी–एच0डी0 उपाधि हेतु प्रस्तुत

शोध–सारांश

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR UNIVERSITY
LUCKNOW
प्रज्ञा शील करुणा
ESTABLISHED 1996

शोधार्थी
पुष्पेन्द्र वास्कले
नामांकन संख्या 411/09

शोध निर्देशक
डॉ.रचना गंगवार
सहायक प्राध्यापक

जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग,
सूचना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विद्यापीठ
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय,
लखनऊ(उ0प्र0)
2017

निमाड़ का पूर्वी भाग खंड़वा

निमाड़ का पूर्वी भाग बुरहानपुर

निमाड़ मध्यप्रदेश के दक्षिण–पश्चिमी भाग के दो क्षेत्रों में बसा हुआ है। पूर्वी निमाड़ और पश्चिमी निमाड़। पूर्वी निमाड़ में खण्ड़वा और बुरहानपुर के साथ हरदा जिलें का कुछ हिस्सा भी शामिल हैं। जबकि पश्चिमी निमाड़ में खरगोन व बड़वानी जिलें अवस्थित है। निमाड़ के संस्कृति के अहम् हिस्सें 25 मई 1998 और 15 अगस्त 2003 को अलग हो गए जब राज्य शासन की जिला पूर्नगठन नीति ने बड़वानी को खरगोन से और बुरहानपुर को खण्ड़वा से अलग कर नए जिलों की स्थापना की। 25 मई 1998 को बड़वानी और 15 अगस्त 2003 को बुरहानपुर से अलग होकर अस्तित्व में आये। खरगोन, बड़वानी, खण्ड़वा और बुरहानपुर की सीमाएँ अलग–अलग हुई।

विंध्याचल और सतपुड़ा पर्वतमालाओं के मध्य स्थित नर्मदा घाटी आदिमानव की कर्मभूमि रही है। ग्राम चिखल्दा के समीप नर्मदा के उत्तरी तट पर खापरखेड़ा व बड़वानी के समीप स्थित ग्राम पीपरी में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा पिछले 20 वर्ष पूर्व उत्खनन कार्य किए गए हैं। उससे प्राप्त अवशेषों ने इस क्षेत्र में आज से 5 हजार वर्ष पूर्व मानव सभ्यता की उपस्थिति को रेखांकित किया हैं। सतपुड़ा की घाटियों में बसे आदिवासी ''झुम'' खेती करते थे। नर्मदा की इसी उपजाऊ घाटी ने अनेक साम्राज्यों का उत्थान–पतन को देखा है।1640 ई. में राणा लिम्बाजी की मृत्यु के बाद उनका ज्येष्ठ पुत्र राणा चंद्रसिंह बड़वानी रियासत का शासक बना। उसने आवासगढ़ को राजधानी के लिए उपयुक्त न पाकर, अपनी राजधानी बड़वानी को बनाया जो इसके पूर्व ''सिद्वनगर'' के नाम से आबाद थी। आधुनिक बड़वानी नगर की नींव डालने का श्रेय राणा चन्द्रसिंह को ही है। 1857 के प्रथम स्वाधीनता संग्राम के दौरान बड़वानी रियासत में आदिवासियों ने ब्रिटिश सत्ता के विरूद्व ''भीमा नायक'' के नेतृत्व में विद्रोह किया। ''तात्या टोपे'' भी अपनी फौज के साथ बड़वानी आया था और यहॉ से उसने नर्मदा पार की थी।

भारत का मध्य भाग मध्यप्रदे ा